MADHYAMIK STAR PAR ADHYAYANRAT VIDHYARTHIYO KE PARIWARIK VATAVAR KA ADHYAYAN

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन

Dr. Santosh Arora[1], Dharm Beer Gangwar[2]

प्रोफेसर, बी.एड./एम.एड विभाग महात्मा ज्योतिबाफूले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय (बरेली)

शोध छात्र, बी.एड./एम.एड विभाग महात्मा ज्योतिबाफूले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय (बरेली)

ABSTRACT

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक बोर्डो एवं लिंग के आधार पर अध्ययन करना हैं। पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने हेतु आलिया अख्तर एवं शैल बाला सक्सेना के द्वारा निर्मित गृह वातावरण मापनी का उपयोग किया गया। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श के रूप में बरेली जिले के शहरी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त विद्यालयो से कक्षा 11 में अध्ययनरत कुल 100 विद्यार्थियों का चयन सामान्य यादृच्छिक विधि से किया गया, जिसमें 48 छात्र व 52 छात्रायें शामिल थी। अध्ययन से ये परिणाम प्राप्त हुये कि 27% विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का स्तर औसत तथा 40% विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का स्तर सामान्य अनुकूल पाया गया जबकि मात्र 06% विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का स्तर अत्यधिक अनुकूल पाया गया। शैक्षिक बोर्ड व लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर प्राप्त नही हुआ। अतः ये कहा जा सकता हैं कि छात्र किसी भी बोर्ड से शिक्षा ग्रहण कर रहा हों उसके पारिवारिक वातावरण का कोई प्रभाव नहीं पड़ता हैं।

1.1 प्रस्तावना

शिक्षा का व्यक्ति के जीवन में विशेष महत्व होता हैं। शिक्षा के द्वारा व्यक्ति अपने शारीरिक, मानसिक एवं सांवेगिक गुणों में सुधार करकें अपने जीवन कों विकास के मार्ग पर अग्रसर करता हैं। शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तिगत गुणों या जीवन को ही प्रभावित नही करती बल्कि उसके साथ सम्बन्धित अन्य व्यक्तियों को भी अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। शिक्षा की समुचित व्यवस्था किसी भी बालक कों शिक्षा प्राप्त करने में विशेष भूमिका का निर्वाह करती हैं।

किसी भी बालक या विद्यार्थी के पारिवारिक वातावरण का महत्वपूर्ण योगदान उसकी शिक्षा प्राप्ति मे रहता हैं। परिवार का सहयोग, अभिवावकों का प्यार व स्नेह, माता–पिता का शिक्षित या अशिक्षित होना, परिवार में सदस्यों की संख्या, परिवार की आर्थिक स्थिती, परिवार के द्वारा प्रदत्त शैक्षिक सुविधाएं आदि अनेक ऐसे कारक हैं जो विद्यार्थी या बालक के शैक्षिक जीवन को प्रभावित करते रहते हैं। परिवार का वातावरण किसी भी बालक के लिए जितना अधिक शैक्षिक सहयोग प्रदान करेगा, वह बालक उतना ही अधिक शिक्षा प्राप्त करने में रूचि व शैक्षिक विकास में अग्रसर रहेगा। इसके विपरीत जो परिवार विद्यार्थियों की शिक्षा प्राप्ति में सहयोग प्रदान करने से कतराते हैं उन विद्यार्थियों की रूचि न तो शिक्षा प्राप्त करने की रहती हैं और न ही उनका शारीरिक, मानसिक व सांवेगिक विकास अनुकूल दिशा में हो पाता हैं।

पाण्डेय, टी0सी0 व अवस्थी, अ0 (2019) पारिवारिक वातावरण बालक में समस्या समाधान करनें की योग्यता को प्रभावित करता हैं। उच्च पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों में समस्या समाधन करने की कम, मध्यम पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों में समस्या समाधन करने की योग्यता अधिक तथा निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छा्त्रों में समस्या समाधन करने की योग्यता बहुत ही निम्न स्तर की प्राप्त हुई। छात्राओं के परिप्रेक्ष्य में उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के अनुसार क्रमशः उच्च, कम तथा निम्न पाया गया, अर्थात् लिंग के आधार पर पारिवारिक वातावरण छात्र एवं छात्राओं की समस्या समाधान योग्यता को प्रभावित करता हैं।

नायक, पी0 के0 एवं महंत मीनाक्षी (2018) ने किशोरावस्था के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके गृह परिवेश के प्रभाव का अध्ययन किया। शोध के निष्कर्षो में पाया गया कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों एवं लिंग के आधार पर उनके गृह परिवेश एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर पाया गया। शहरी किशोंरावस्था के छात्र एवं छात्राओं के गृह परिवेश एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर नहीं पाया गया जबकि ग्रामीण किशोंरावस्था के छात्र एवं छात्राओं के गृह परिवेश एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर पाया गया।

डेविड, आर0के0, दधाकर, उ0 व दधाकर, खु0 (2017) के द्वारा माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन सम्बन्धी आदतों पर पारिवारिक वातावरण और परामर्श के प्रभाव का अध्ययन किया गया, अध्ययन में पाया गया कि विद्यार्थियों की अध्ययन सम्बन्धी आदतों के बनाने एवं सुधारनें में पारिवारिक पृष्ठभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं।

1.2 उद्देश्य

1. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण के स्तर का अध्ययन करना।

2. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UP Board) एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (CBSE Board) से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।

3. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में लिंग के आधार पर उनके पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करना।

4. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में लिंग के आधार पर उनके पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करना।

1.3 शोध परिकल्पनाएं

1. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिशद से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर नहीं हैं।

2. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत बालक व बालिका पारिवारिक वातावरण के संदर्भ में कोई सार्थक अन्तर नहीं रखते हैं।

3. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत बालक व बालिका पारिवारिक वातावरण के संदर्भ में कोई सार्थक अन्तर नहीं रखते हैं।

1.4 शोध प्रारूप

प्रस्तुत शोध कार्य में शोधकर्त्ता के द्वारा सर्वेक्षण शोध विधि का प्रयोग किया गया। अध्ययन में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त विद्यालयों से कक्षा 11 में अध्ययनरत कुल 100 छात्र एवं छात्राओं का चयन सामान्य यादृच्छिक रूप से किया गया, जिसमें 48 छात्र एवं 52 छात्राओं को सम्मिलित किया गया। पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने हेतु आलिया अख्तर एवं शैल बाला सक्सेना (2013) के द्वारा निर्मित गृह वातावरण मापनी का उपयोग किया गया। प्रश्नावली में कुल 50 प्रश्न गृह परिवेश के 10 आयामों पर हैं। ये आयाम सुरक्षा, अभिभावको की सहभागिता, शैक्षिक प्रोत्साहन, पुरस्कार देना, अभिभावको की सक्रियता, दण्ड, पारिवारिक घटनाओं में सहभागिता, नियंत्रण, वर्जनाहीनता व अभिभावको की आशाए या उम्मीदे हैं।

1.5 आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रस्तुत अध्ययन उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करना हैं। प्राप्त प्रदत्तों की व्याख्या इस प्रकार हैं–

तालिका संख्या 01: माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन

क्रम सं0	परिवारिक वातावरण के स्तर	प्रतिशत (संख्या)
01	अत्यधिक अनुकूल	06% (06)
02	अधिक अनुकूल	15% (15)
03	सामान्य अनुकूल	40% (40)
04	औसत	27% (27)
05	प्रतिकूल	10% (10)
06	अधिक प्रतिकूल	01% (01)
07	अत्यधिक प्रतिकूल	01% (01)
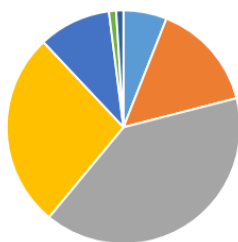
चार्ट संख्या 01

वृत्त चित्र के अवलोकन से ज्ञात होता हैं कि केवल 06% विद्यार्थियों का पारिवारिक वातावरण अत्यधिक अनुकूल पाया गया तथा 15% विद्यार्थियों का पारिवारिक वातावरण अधिक अनुकूल देखने को मिला। इस स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अत्यधिक या अधिक अनुकूल होने के पीछे परिवार के सदस्यों का विद्यार्थियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुविधाओं आदि के प्रति जागरूक होना हैं। इस प्रकार के पारिवारिक वातावरण में परिवार के सदस्य शिक्षित होते हैं एवं अपने बच्चों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखते है, इसके विपरीत 10% छात्रों का पारिवारिक वातावरण प्रतिकूल स्तर का पाया गया, जिसमें अभिभावकों का अशिक्षित होना, निम्न आर्थिक स्तर, सुख सुविधाओं की कमी आदि अनेक कारण हैं जो पारिवारिक वातावरण को प्रतिकूल बनातें हैं। ऐसे परिवार के सदस्य बच्चों के लिए अच्छे स्वास्थ्य, अच्छी शिक्षा की व्यवस्था, अच्छी सुख सुविधाओं आदि की व्यवस्था नहीं कर पाते हैं। जबकि 40% विद्यार्थियों का पारिवारिक वातावरण का सामान्य अनुकूल स्तर का पाया गया।

तालिका संख्या 02 : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का विश्लेषण

क्रम संख्या	पारिवारिक वातावरण के आयाम	उ॰प्र॰ मा0 शिक्षा बोर्ड		केंद्रीय मा0 शिक्षा बोर्ड		टी मूल्य
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
01	सुरक्षा (Protectiveness)	16.32	3.70	16.08	4.01	0.31
02	अभिभावको की सहभागिता (Parental Involvement)	16.82	3.79	16.06	4.19	0.95
03	शैक्षिक प्रोत्साहन (Academice Stimulation)	17.34	3.31	16.74	3.97	0.82
04	पुरस्कार देना (Rewared)	17.88	2.76	16.46	3.56	2.23*
05	अभिभावको की सक्रियता (Parental Warmth)	16	3.57	16.02	3.17	0.03
06	दण्ड (Punishment)	6.34	6.24	6.56	5.01	0.19
07	पारिवारिक घटनाओं में सहभागिता (Participation In Home Affairs)	16.5	3.64	16.06	3.29	0.63
08	नियंत्रण (Control)	8.96	5.5	5.82	4.17	3.21**
09	वर्जनाहीनता (Permissiveness)	15.58	4.10	15.54	3.52	0.05
10	अभिभावको की आशायें (Parental Expectation)	17.4	3.56	16.02	3.28	2.01*
	कुल	149.14	23.61	141.36	18.31	1.84

*0.05, **0.01

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट हैं कि बोर्ड के आधार पर टी0 का मान 1.84 प्राप्त हुआ जो शून्य परिकल्पना कि उ0 प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर नहीं हैं को स्वीकार किया जाता है, मध्यमान के आधार पर उ0 प्र0 मा0 शिक्षा बोर्ड के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का स्तर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण से अच्छा प्राप्त हुआ। पारिवारिक वातावरण के विभिन्न आयामों के मध्य तुलना करने पर केवल तीन आयामो पुरस्कार, नियंत्रण तथा अभिभावकों की उम्मीदें / इच्छाओं का टी0 मूल्य सार्थक प्राप्त हुआ। नियंत्रण आयाम पर उ0 प्र0 बोर्ड व केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में अध्ययनरत विद्यार्थी सार्थक अन्तर रखतें हैं। इन तीनों आयामों पर मध्यमान के ऑकड़ों से ये ज्ञात होता हैं कि उ0 प्र0 मा0 शिक्षा बोर्ड के विद्यार्थियों के अभिभावक अपने बच्चों को शैक्षिक गतिविधियों में अच्छा करने पर पुरस्कार देते हैं तथा उन्हें प्रोत्साहित करतें हैं। बदलते सामाजिक परिवेश के कारण अभिभावक अपने बच्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश भी करते है ताकि विद्यार्थी अपने शैक्षिक जीवन के उद्देश्यों से भटकने न पाए। उत्तर प्रदेश बोर्ड के अधिकांश विद्यार्थी सामान्य सामाजिक आर्थिक वातावरण वाले परिवारों से सम्बन्ध रखतें हैं अतः उनके माता पिता अपने बच्चो से अच्छी उम्मीदें लगाए रहतें हैं। इसके विपरीत अन्य आयामों जैसे सुरक्षा, अभिभावकों की भागीदारी, शैक्षणिक उत्तेजना, अभिभावकों की जागरूकता, दण्ड, गृह कार्यो में सहभागिता, सहनशीलता में उ0 प्र0 मा0 शिक्षा बोर्ड व केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

कौर, म0, ढिल्लन, एस0 एस0 व कौर आर0 (2015) पपाटू, ज0 व अन्य (2017) नायक व महंत (2018) के अध्ययनों से ज्ञात होता हैं कि पारिवारिक वातावरण बालकों के मानसिक स्वास्थ्य व शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है।

तालिका संख्या 03॥ माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का लिंग भेद के संदर्भ में अध्ययन

क्रम संख्या	परिवारिक वातावरण के आयाम	उ0 प्र0 मा0 शिक्षा बोर्ड के विद्यार्थी					केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के विद्यार्थी				
		छात्र		छात्राएं		टी0 मूल्य	छात्र		छात्राएं		टी0 मूल्य
		मध्य0	मा0 वि0	मध्य0	मा0 वि0		मध्य0	मा0 वि0	मध्य0	मा0 वि0	
01	सुरक्षा	16.8	3.57	15.84	3.84	0.91	15.04	3.68	16.76	4.92	1.2
02	अभिभावको की सहभागिता	16.24	3.94	17.04	3.62	1.08	16	3.34	16.12	4.96	0.1
03	शैक्षिक प्रोत्साहन	16.76	3.73	17.92	2.78	1.25	16.72	3.65	16.76	4.34	0.04
04	पुरस्कार देना	17.44	2.98	18.32	2.49	1.13	16.28	3.40	16.64	3.78	0.35
05	अभिभावको की सक्रियता	15.12	3.49	16.88	3.50	1.78	16.36	2.98	15.68	3.38	0.75
06	दण्ड	8.16	7.70	4.52	3.65	2.13*	6.12	4.15	7	5.80	0.62
07	पारिवारिक घटनाओं में सहभागिता	16.92	3.46	16.08	3.83	0.81	16.32	3.36	15.8	3.26	0.55
08	नियंत्रण	11.16	5.18	6.76	5.00	3.05**	5.36	3.70	6.28	4.63	0.78
09	वर्जनाहीनता	14.96	4.52	16.2	3.61	1.07	14.84	3.96	16.24	2.94	1.42
10	अभिभावको की आशायें या उम्मीदे	17.12	2.84	17.68	4.21	0.55	15.68	3.91	16.36	2.54	0.73
कुल		150.68	28.40	147.6	18.09	0.46	139.08	18.27	143.64	18.43	0.88

*0.05, **0.01

तालिका संख्या 03 में वर्णित आंकड़ो के विश्लेषण से यह ज्ञात होता हैं कि उ0 प्र0 मा0 शिक्षा परिषद प्रयागराज के द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्रायें पारिवारिक वातावरण के दण्ड व नियंत्रण आयाम पर सार्थक अन्तर रखते हैं, इस प्रकार सम्बन्धित परिकल्पना आंशिक रूप से स्वीकृत होती हैं। मध्यमान के आधार पर कहा जा सकता हैं कि छात्राओं के पारिवारिक वातावरण की तुलना में, छात्रों के पारिवारिक वातावरण का स्तर अच्छा प्राप्त हुआ।

आयामों के मध्यमान के आधार पर ज्ञात होता हैं कि छात्रों की अपेक्षा छात्राओं को परिवार के सदस्यो के द्वारा दण्ड तथा नियंत्रण अधिक प्रदान किया जाता हैं। समाज प्रारंभ से ही लिंग के आधार पर भेदभाव करते आया हैं जिसमें छात्राओं को छात्रों की अपेक्षा अधिक नियंत्रण में रखा जाता हैं। आज सामाजिक परिवेश छात्राओं के बाहर निकलनें के अनुकूल भी नहीं रहा हैं। बढ़तें अपराधों, हिंसा, लूट आदि अनेक ऐसे कारण हैं जिसके कारण अभिभावक छात्राओं को अधिक नियंत्रण में रखना चाहतें हैं जबकि इन सबके विपरीत छात्रों को दण्ड और नियंत्रण से मुक्त रखा जाता है।

केंद्रीय मा0 शिक्षा परिषद नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत बालक व बालिकाओं के पारिवारिक वातावरण व इससे सम्बन्धित आयामों में सार्थक अन्तर नही पाया गया। इस प्रकार सम्बन्धित परिकल्पना स्वीकृत होती हैं। पारिवारिक वातावरण व इसके विभिन्न आयामों जैसे– सुरक्षा, अभिभावकों की भागीदारी, शैक्षणिक उत्तेजना, पुरस्कार, अभिभावकों की जागरूकता, दण्ड, गृह कार्यो में सहभागिता, नियंत्रण, सहनशीलता और अभिभावकों की उम्मीदों के मध्यमानों के आधार पर ये कहा जा सकता हैं कि केंद्रीय मा0 शिक्षा परिषद के छात्र–छात्राओं का पारिवारिक वातावरण एक समान हैं, उन्हें प्राप्त पारिवारिक वातावरण में कोई विशेष भिन्नता नहीं हैं।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत अधिकांश छात्र–छात्राएं उच्च सामाजिक आर्थिक स्थिती वाले पारिवारिक वातावरण से सम्बन्ध रखतें हैं। ऐसे परिवारों में अधिकांश परिवार के सदस्य शिक्षित होते है, वे लिंग के आधार पर अपने बच्चों में कोई अन्तर नही रखते हैं। शिक्षित समाज और परिवार के लोग सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाकर भी छात्राओं को उचित अवसर भी प्रदान करने की कोशिश करतें हैं। अतः उच्च सामाजिक आर्थिक स्थिती वाले पारिवारिक वातावरण से छात्र एवं छात्राओं को समान शैक्षिक व्यवस्था व अवसर, पारिवारिक सदस्यों का दोनो के प्रति समान दृष्टिकोण, दोनो को समान सुरक्षा, पुरस्कार मिलने के कारण केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत

विद्यार्थियों में लिंग के आधार पर उनके पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक अन्तर प्राप्त नहीं हुआ। चौधरी (2013) के शोध कार्य में भी लिंग के आधार पर छात्र एवं छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर प्राप्त नही हुआ। माधुरी हुडा और रानी देवी (2017) के शोध कार्य में भी लिंग के आधार पर छात्र एवं छात्राओं की सृजनात्मक चिंतन योग्यता, पारिवारिक वातावरण एवं बुद्धि के मध्य नकारात्मक सम्बन्ध पाया गया।

निष्कर्ष

(01) चार्ट संख्या 01 के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि अत्यधिक अनुकूल पारिवारिक वातावरण बहुत ही कम छात्र एवं छात्राओं का प्राप्त हुआ जबकि सामान्य अनुकूल एवं औसत स्तर का पारिवारिक वातावरण अधिक छात्र–छात्राओं का देखने को मिला।

(02) अध्ययन में तालिका संख्या 02 के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि शैक्षिक बोर्डो के आधार पारिवारिक वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। आयामों के आधार पर पुरस्कार, नियंत्रण और अभिभावको की इच्छाओं के मध्य सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ।

(03) अध्ययन में तालिका संख्या 03 के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि लिंग के आधार पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर प्राप्त नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यार्थियों में पारिवारिक वातावरण के दण्ड व नियंत्रण के मध्य सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

I. आलिया, अख्तर व सक्सेना, एस0 बी0•(2013)• नेशनल साइकोलॉजी कारपोरेशन• आगरा•

II. पाण्डेय,टी0सी0 व अवस्थी, अ0कु0• (2019)• बी0 एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का उनके पारिवारिक वातावरण के संदर्भ में अध्ययन• रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल आंफ मल्टीडिसीप्लनरी,04(06), पृष्ठ संख्या 506–511.

III. नायक, पी0के0 व महंत मी0• (2018)• किशोंरावस्था के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर गृह परिवेश के प्रभाव का अध्ययन• इंटरनेशनल जर्नल आंफ ऐजुकेशनल रिसर्च, 03(02), पृष्ठ संख्या 549–552.

IV. डेविड, रा0कु0, दधाकर, उ0 व खु0• (2017)• माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन सम्बन्धीं आदतों पर पारिवारिक वातावरण और परामर्श का प्रभाव• जर्नल आंफ एडवांस एण्ड स्कोलांरली रिसर्च इन एलाइड ऐजुकेशन, 13(01), पृष्ठ संख्या 885–889.

V. कौर, म0, ढिल्लन, भा0सि0 व कौर, रं0• (2015)• ए स्टडी आंफ रिलेशनसिप आंफ फैमिली इनवांयरमेण्ट विद् मेण्टल हेल्थ आंफ एडोलसेन्स आंफ सिरसा डिस्ट्रिक• इंटरनेशनल जर्नल आंफ एप्लाइड रिसर्च, 01(09),पृश्ठ संख्या 472–475.

VI. पपट्टू, ज0 व वनिथा, जे0• (2017)• ए स्टडी आंन फैमिली इनवांयरमेण्ट एण्ड ईट्स इफैक्ट आंन एकैडेमिक एचीवमेन्ट इन साइन्स एमोंग सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेण्ट• इंटरनेशनल जर्नल आंफ रिसर्च ग्रन्थालय, 05(06), पृष्ठ संख्या 428–436.

VII. चौधरी, एन0 के0• (2013)• ए स्टडी आंफ मेण्टल हेल्थ इन रिलेशन टू फैमिली इनवांयरमेण्ट एण्ड जेण्डर आंफ स्कूल गोइंग एडोलसन्स• इण्डियन जर्नल आंफ रिसर्च, 03(04), पृष्ठ संख्या 61–62.

VIII. हुडा, मा0 व रानी, दे0• (2017)• रिले नसिप आंफ क्रिएटिव थिंकिग एबीलिटीस विद् फैमिली इनवांयरमेण्ट एण्ड इंटेलीजेन्स एमौंग सिनियर सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेण्ट• इंटरनेशनल एजूकेशन एण्ड रिसर्च जर्नल, 03(07), पृष्ठ संख्या 101–103.